



**Balakrishna**

17 Jan 1965

**Model: Numerology-Report**

**Order No: 121870401**

# अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121870401

Date: 08/04/2026

|                 |   |
|-----------------|---|
| नाम             | Balakrishna                             |
| जन्म तिथि       | 17/01/1965                              |
| मूलांक          | 8                                       |
| भाग्यांक        | 3                                       |
| नामांक          | 8                                       |
| मूलांक स्वामी   | शनि                                     |
| भाग्यांक स्वामी | गुरु                                    |
| नामांक स्वामी   | शनि                                     |
| मित्र अंक       | 1, 4, 3                                 |
| शत्रु अंक       | 6                                       |
| सम अंक          | 2, 5, 7, 9                              |
| मुख्य वर्ष      | 1979,1988,1997,2006,2015,2024,2033,2042 |
| शुभ आयु         | 14,23,32,41,50,59,68,77                 |
| शुभ वार         | शनि, रवि, सोम                           |
| शुभ मास         | जन, अप्रै, अग                           |
| शुभ तारीख       | 8, 17, 26                               |
| शुभ रत्न        | नीलम                                    |
| शुभ उपरत्न      | जमुनिया,लाजवर्त                         |
| अनुकूल देव      | भैरव                                    |
| शुभ धातु        | लौह                                     |
| शुभ रंग         | काला                                    |
| मंत्र           | ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः        |
| शुभ यंत्र       | राहु यंत्र                              |

|    |    |    |
|----|----|----|
| 13 | 8  | 15 |
| 14 | 12 | 10 |
| 9  | 16 | 11 |

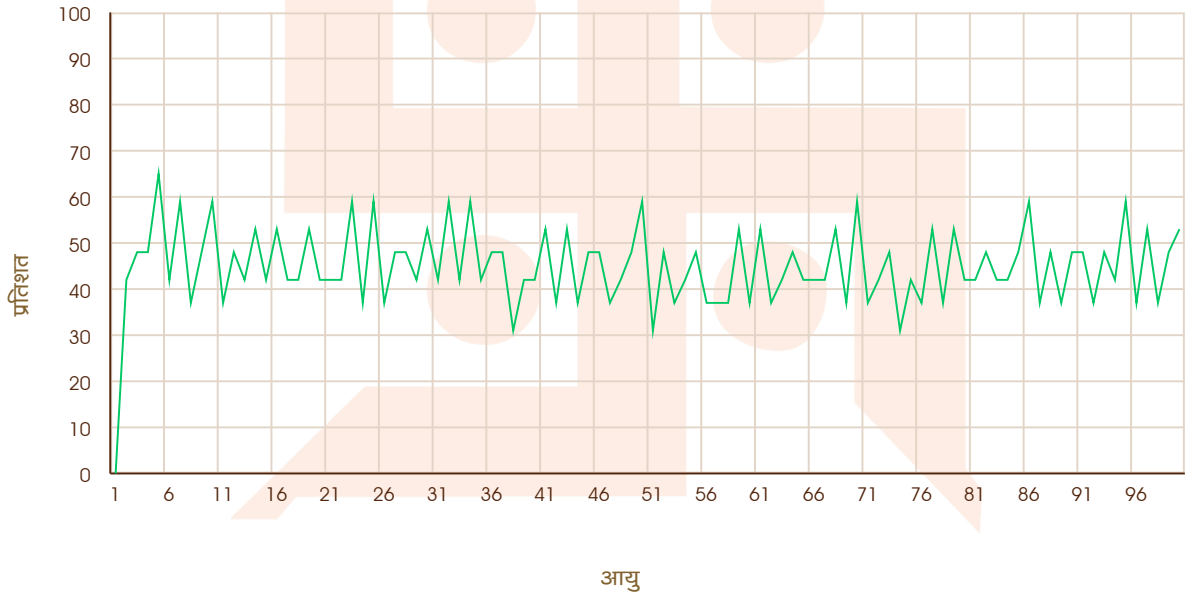
**Ankijotish Insights**

Hyderabad Telangana India

7995233535

## अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1979,1988,1997,2006,2015,2024,2033,2042

शुभ आयु 14,23,32,41,50,59,68,77

## अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 17 है। एक एवं सात के योग से आपका मूलांक 8 होता है। आठ मूलांक का स्वामी शनि है। अंक एक का सूर्य तथा सात का भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों का प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। मूलांक 8 के स्वामी शनि प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके जीवन में संघर्ष अधिक रहेंगे एवं प्रत्येक कार्य को प्रारम्भ करने के बाद अवरोध आयेंगे। जिन्हें आप मेहनत एवं धैर्य से पार कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

निराशा एवं आलस्य दो अवगुण आपकी प्रगति के बाधक रहेंगे। अतः किसी भी कार्य की असफलता से निराश न हों तथा दुबारा प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। कार्य में कर्म के सिद्धांत को मानते हुये आलस्य से दूर रहना सफलता की कुंजी रहेगा। अंक एक के स्वामी सूर्य एवं सात के केतु या नेपच्यून के प्रभाव से आपकी कल्पना शक्ति, विचार शक्ति अच्छी रहेगी। आप में दूसरों को समझने की शक्ति अच्छी होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान भी अच्छा रहेगा। सूर्य प्रभाव से आपका नाम स्थायी प्रसिद्धि को प्राप्त करेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपको यश तथा लाभ प्राप्त होगा।

उच्च वर्ग में आप लोकप्रिय होंगे एवं उच्चवर्ग से लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ रहेगी एवं अपनी बात पर अड़िग रहने की प्रवृत्ति आप में पाई जायेगी। आप थोड़े हठी होंगे। हठ की यह प्रवृत्ति यदाकदा आपको हानि भी पहुँचायेगी। अतः जहाँ तक हो सके आप अपने हठ पर सन्तुलन रखें एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। सूर्य केतु शनि ग्रहों के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल व्यक्ति रहेंगे। आपकी ख्याति अच्छी रहेगी तथा दूसरों के लिये उदाहरण का कार्य करेगी।

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

आपका मूलांक 8 है तथा भाग्यांक 3 है। मूलांक 8 का स्वामी शनि है तथा भाग्यांक 3 का स्वामी गुरु है। मूलांक 8 एवं भाग्यांक 3 के बीच शत्रु संबंध है। इसके प्रभाववश कभी आपका मूलांक साथ देगा, तो कभी आपका भाग्यांक साथ देगा और कभी-कभी इन दोनों

ही अंकों में परिवर्तनशील घटनाएं घटित होंगी। सामान्य तौर पर शनि एवं गुरु के प्रभाववश आपको अपने रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में धीरे-धीरे उन्नति प्राप्त होगी। आप गरीब घर में पैदा हो कर भी अपनी मेहनत के द्वारा प्रौढ़वस्था तक पहुंचते-पहुंचते काफी आर्थिक संपन्नता प्राप्त करने में सफल होंगे। चल संपत्ति की अपेक्षा अचल संपत्ति एवं भौतिक संपदा आपके पास अधिक रहेगी। आपकी विचार शक्ति गहराई लिए रहेगी तथा आप जो भी कार्य करेंगे, उसको पूर्ण मेहनत से स्थायी बनाने की कोशिश करेंगे। जीवन के विभिन्न मोड़ों पर प्राप्त होने वाली असफलताओं से आप शीघ्र विचलित न होते हुए, उनसे भविष्य की सीख प्राप्त करेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में आपका लक्ष्य यही रहेगा कि आप जो भी कार्य करें, उसमें हमेशा सफल रहें तथा दूसरे लोग आपके कार्य की सराहना करें। आध्यात्मिक तथा सामाजिक क्षेत्र में थोड़े रुढ़िवादी एवं आधुनिक प्रगतिशील व्यक्ति के रूप में आप ख्याति अर्जित करेंगे। आपका कार्यक्षेत्र कोई भी रहे, उसको आप, अपनी मेहनत पर विश्वास रखते हुए, पूर्ण करेंगे तथा नीचे से धीरे-धीरे उठते हुए जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

आपका भाग्योदय 30 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 39 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 48 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 8 की मित्रता 1 एवं 4 से हैं तथा भाग्यांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 1, 3, 4, 6, 8, 9 के अंकों का विशेष महत्व है। इनसे आपके जीवन में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से शत्रु संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के शुभ फलों में थोड़ी-बहुत न्यूनता आएगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभवार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, जून, अगस्त, सितंबर माह विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक-भाग्यांक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय में दोनों ही शुभ रहें।

मूलांक 8 एवं भाग्यांक 3 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 2, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
- 6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
- 8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
- 9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 79, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी तथा कुछ घटनाएं जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बनेंगी।



## नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

**Balakraishna**  
**2+1+3+1+2+2+1+3+5+5+1**  
**नाम का योग : 26 नामांक : 8**

आपके नाम का कुल योग छब्बीस बनता है। दो और छह के योग से आपका नामांक आठ होता है। नामांक आठ का स्वामी शनि है। अंक दो का स्वामी चन्द्र एवं छह का शुक्र है। अतः तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके जीवन को प्रभावित करेंगे। नामांक आठ का स्वामी शनि होने से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। रुकावटों को आप स्वयं की बुद्धि विवेक के द्वारा पार कर सफलता का मार्ग प्राप्त करेंगे। आलस्य आपमें अवगुण के समान रहेगा। आपको समाज में नाम, यश तथा कीर्ति प्राप्त होगी। आप दिखावा पसंद नहीं करेंगे। आपको कठोर व्यक्ति समझा जायेगा। लेकिन आप अन्दर से दयालु होंगे। आप कठिन से कठिन कार्य को भी अंजाम देने की क्षमता रखेंगे। आपके अन्दर कलात्मक भाव की वृद्धि शुक्र ग्रह के द्वारा होगी जो आपकी कार्य शैली में दृष्टिगोचर होगी।

आपके नाम का नामांक 8 है। यही आपका मूलांक भी है। इन दोनों के आपके भाग्यांक 3 से शत्रु संबंध होने के कारण आपको भाग्यांक के शुभ फल प्राप्त होने में परेशानियाँ आएंगी। अतः आपका नाम आपके लिए अहितकर हो सकता है। यदि आप अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आपको अपने नाम में परिवर्तन करना लाभप्रद रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करे। आपके नाम का एवं मूलांक का एक ही अंक स्वामी होने से आपको मूलांक स्वामी के प्रभाव से वांछित उन्नति मेहनत द्वारा ही प्राप्त होगी। क्योंकि आपका भाग्यांक स्वामी शत्रु होने से आपको भाग्य का उचित फल प्राप्त नहीं होगा। अतः आप अपने नाम में भाग्य से भी अच्छे संबंध बनाने हेतु इस प्रकार से परिवर्तन करें कि वह आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों के साथ उत्तम तालमेल स्थापित करले।

आपका नामांक आपके मूलांक 8 से मिलान करता है लेकिन भाग्यांक 3 से मिलान नहीं हो रहा है। जिसके प्रभाव से भाग्य के क्षेत्र में आपको थोड़ी-बहुत परेशानियाँ आ सकती हैं। आपको अपने नाम को भाग्यांक से भी मिलान करना हितकर रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कर सकते हैं जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 9 आता हो और 4 न हो तो ऐसा नाम आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा तथा

आपकी उन्नति में चार-चौद लगायेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 1 अंक अच्छे रहेंगे तथा 6,3 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

**A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z**

**1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7**

### उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-

GANESHA

$$3+1+5+5+3+5+1=23=5$$

GANESH

$$3+1+5+5+3+5=22=4$$

एक अंक :-

RAM

$$2+1+4=7$$

RAMA

$$2+1+4+1=8$$

दो अंक :-

BINDRA

$$2+1+5+4+2+1=15=6$$

BRINDRA

$$2+2+1+5+4+2+1=17=8$$

तीन अंक :-

RAMCHAND

$$2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$$

RAMCHANDRA

$$2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$$

चार अंक :-

KRISHNA

$$2+2+1+3+5+5+1=19=1$$

KRESHNA

$$2+2+5+3+5+5+1=23=5$$

पाँच अंक :-

TEWARI

$$4+5+6+1+2+1=19=1$$

TIWARI

$$4+1+6+1+2+1=15=6$$

छः अंक :-

AGGARWAL

$$1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$$

AGARWAL

$$1+3+1+2+6+1+3=17=8$$

## लोशु फल

|   |       |   |
|---|-------|---|
|   | 9     |   |
| 4 | 9     | 2 |
| 3 | 5     | 7 |
| 3 | 5     | 7 |
| 8 | 1 1 1 | 6 |
| 8 | 1     | 6 |

### लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

### अंक 1 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में एक अंक तीन बार उपस्थित है। आप या तो बहुत अधिक बातें करते हैं, या कभी-कभी बिल्कुल शांत होकर, आत्ममंथन करना पसंद करते हैं। सच्चाई यह है कि वास्तव में आपके अंदर दोनों ही विशेषताएं होती हैं। परंतु आपके व्यक्तित्व का प्रदर्शन परिस्थिति पर निर्भर करता है। आपका प्रायः सभी से मिलाजुला संबंध होता है। न तो किसी से ज्यादा दोस्ती होती है और न ही शत्रुता का भाव। आप अपनी वाक्पटुता और व्यवहार से अपने साथी को खुश रखते हैं। दांपत्य जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए आप अपनी पत्नी की हर जरूरत का ध्यान रखते हैं। आप श्रेष्ठ बुद्धि के बल पर कार्यक्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल करते हो। आप अपने लाभ के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। आप निरंतर अपने काम में लगे रहते हैं और नये-नये परिवर्तन तथा आविष्कारों से अपने नाम को रौशन करने का

प्रयास करते हैं। आप हर काम करने से पहले कई बार सोचते हैं। आप अपने कामों में नवीनता लाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। आप नौकरी और व्यवसाय दोनों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। तीन बार 1 अंक वाले जातक प्रायः प्रसन्नचित एवं बहिर्मुखी होते हैं, और बहुत से प्रसिद्ध व्यक्तियों के चार्ट में यह संयोग होता है।

### अंक 2 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 2 का अंक अनुपस्थित है, अतः आप में अंतर्ज्ञान व सूक्ष्म चेतना का अभाव होता है, आप अपनी बात आत्मविश्वास से नहीं कह पाते। फलस्वरूप आप अपनी निश्चल व शांत अंतरात्मा की आवाज को न मानकर कई गलतियां करेंगे, आप अधीर और समय के पाबंद नहीं होते। ऐसे जातकों में अपनी गलती मान लेने की बजाय अपने कार्य को सही ठहराने की प्रवृत्ति होती है, आपमें संवेदनशीलता नहीं होती है, और दूसरों की मदद नहीं कर पाते हैं, आपमें पूर्वाभास अंतर्ज्ञान शक्ति की कमी रहती है। आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप दूसरों की भावनाओं की कदर भी नहीं करते हैं। आप अपने मन की बात न सुनकर छोटी-छोटी गलतियां करते रहते हैं, आत्म विश्वासहीनता व दूसरों पर विश्वास की कमी जैसी विशिष्टताओं से पीड़ित रहते हैं, आपको अपने मन पर काबू रखना चाहिए। दूसरों की भावनाओं की कदर करनी चाहिए, और अपनी गलती माननी चाहिए। ऐसे जातकों को चाहिए कि जीवन में समता हासिल करना सीखें।

### अंक 3 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में तीन अंक एक बार उपस्थित है। अतः आपकी स्मरण शक्ति तीव्र तथा मस्तिष्क तीक्ष्ण व विचारोत्पादक होता है, आप व्यावहारिक होते हैं, और अपने लक्ष्य तक पहुंचने में आपका दृष्टिकोण बहुधा आशावादी ही होता है, अपनी सकारात्मक सोच व आशावादी दृष्टिकोण से दूसरों को प्रेरणा देने में भी सक्षम होते हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से आप विशेष सुदृढ़ हो, आप बड़े स्वाभिमानी हैं। किसी के आगे झुकना नहीं चाहते, स्वतंत्र प्रकृति के होते हैं, मित्र अधिक होते हैं और उनसे ही लाभ मिलता है। आप उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, अध्ययनशील तथा पढ़ने लिखने में दक्ष होते हैं, कला, विज्ञान और साहित्य में आपकी रुचि होती है, आपका रचनात्मक दिमाग और उतकृष्ट स्मृति है। आप में से कुछ लोग जमीन से जुड़े होते हैं, आप अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हो, आप अपनी आशावादिता और ईमानदारी से दूसरों को प्रेरित करने में सक्षम हो। आप जिस कार्य को करने की ठान लेते हैं तो उसे करके ही छोड़ते हैं। साथ ही आप एक अच्छे विचारक, दूरदर्शी, संभावित घटनाओं को भांप लेने वाले होते हैं।

### अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती

है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

### अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्वी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपूण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

### अंक 6 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में छः अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप अपने घर और सगे-सम्बन्धियों से बहुत स्नेह करते हैं। आप अपने पारिवारिक उत्तरदायित्व को निभाना पसंद करते हैं और घरेलू जिम्मेदारियों का आनंद लेते हैं। आप में रचनात्मक क्षमता है व आप अतिशय क्रियात्मक सामर्थ्य के स्वामी हैं। आप समाज में लोकप्रिय होते हैं, गंभीर से गंभीर रहस्य को भी आप सामने वाले के मन से निकलने में चतुर होते हैं। आप पूर्णतः सांसारिक और अपने लक्ष्य तक पहुँचने में सफल होते हैं। आप परिश्रमी सुव्यवस्थित व मर्यादित रहते हैं, आप एक ही आजीविका से संतुष्ट नहीं होते, आपकी दृष्टि में व्यापार प्रधान होता है, भले ही आप नौकरी करते हों, और आप इन कार्यों में सफल भी होते हैं, आप अच्छे माँ-बाप और अंततः ऐसे व्यक्ति सिद्ध होते हैं, जिनके पास परिवार का प्रत्येक सदस्य विपत्ति के समय परामर्श लेने आता है, परन्तु आपमें असुरक्षा की तीव्र भावना भी होती है, और आप नाहक ही वैधुर्य व एकाकीपन की चिंता में लीन रहते हैं।

### अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग

की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनता का अनुभव करते हैं।

### अंक 8 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप न्यायवर्ती, विधिपूर्वक कार्य करने वाले व विवरण संपादन के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है, कि आप हाथ में लिए कार्य पूर्ण नहीं कर पाते। आप चपल बुद्धि के स्वामी होते हैं, और नित्य नए विषय कार्य ढूंढते हैं। आपमें एकाग्रता की कमी होती है, और जीवन में बड़ा संघर्ष करना पड़ता है। फिर भी जीवन में अधिक सफल नहीं हो पाते हैं, इसलिए ये एकाकीपन का अनुभव करते हैं। आपमें बाहरी प्रदर्शन नहीं होता, इसलिए समाज आपको कठोर एवं रूखे हृदय का मानता है। आप अपने मर्जी के मालिक होते हैं तथा कई बार असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं। यदि आप सही रूप में शिक्षित तथा आत्मनियंत्रित नहीं होते तो आप जल्दबाजी में काम करते हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ता है, आपके कामों में कई बाधाएं भी आती हैं, और कार्य विलम्ब से पुरे होते हैं।

### अंक 9 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप महत्वाकांक्षी होते हैं और उन्नति करने की तीव्र आकांक्षा रखते हैं। लोग अनायास ही आपकी तरफ आकर्षित हो जाते हैं। आप देश में हो या विदेश में किसी भी काम में पूरी तरह से सफलता प्राप्त करते हैं। जब आप स्वार्थरहित होकर कार्य करते हैं, तो आपमें आकर्षण अधिक होता है, आप हमेशा चारों ओर घूमते नजर आते हैं। विभिन्न क्षेत्र के लोगों से मिलते हुए उन्हें समझते हुए प्रेम एवं सहानुभूति प्रदान करते हुए, इस अंक के लोगों को देखा गया है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, आप लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। जब आप दूसरों के हित के लिए कार्य करते हैं, तो आपका अंतर्ज्ञान तथा विलक्षण प्रतिभा तथा चारित्रिक दृढ़ता अविस्मरणीय परिणाम देती है। अंक नौ की अवस्थिति मानसिक स्तर तथा क्रियात्मक पंक्ति दोनों में है। यही एक कारण है कि मनुष्य जाती की उपलब्धियां 20वीं सदी में प्रचुर रहीं हैं। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि हम में से बहुतों को अभी मानवता प्रेम का पाठ पड़ना शेष है।

### केंद्र के चार अंकों (9, 3, 1, 7) की उपस्थिति -

आपके लोशु चार्ट में केंद्र के चार अंक (9, 3, 1, 7) उपस्थित है। अतः यह अत्यंत शुभ स्थिति बनती है, आप तीव्र बुद्धि के दयावान, नई-नई अचीवमेंट हासिल करने वाले होते हैं। आप अपना लक्ष्य निर्धारण करके चलते हैं, इसलिए जॉव और विजनेस दोनों में ही सफलता प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन व्यावसायिक गतिविधियों में अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। आपके ऊपर भगवान

का पूरा आश्रीवाद बना रहता है, एक के बाद एक चीज प्राप्त होगी, आप निष्ठावान भावुक और दूसरों की मदद करने वाले हैं। आपमें दूसरों की भावना समझने की योग्यता है। आप कठिन एवं मुश्किल परिस्थिति में नहीं घबराते, आप बेहद चतुर कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ होते हैं। केंद्र स्थानों में पहला केंद्र 9 अंक है, जिसके स्वामी ग्रह मंगल हैं, जो पराक्रम के कारक, दूसरा केंद्र 3 अंक है। जिसके स्वामी गुरु हैं, जो ज्ञान के कारक हैं, तीसरा केंद्र 1 अंक है, एक अंक सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है, और सूर्य आत्मबल के कारक हैं, चौथा केंद्र 7 अंक है जो केतु का प्रतिनिधित्व करता है, और केतु है अध्यात्म, इस प्रकार इन चारों केंद्रों का भरा होना आपके लिए अत्यंत शुभता की स्थिति बना रहा है।

### आध्यात्मिकता के अंक - 3. 5 व 7

आपके लोशु चार्ट में 3. 5 व 7 अंकों की उपस्थिति है। यह अंक विशेष रूप से दिलचस्प है, क्योंकि यह मध्य क्षैतिज पंक्ति में रहता है। यह आपके भावनात्मक व आध्यात्मिक पहलुओं के महत्त्व को प्रदर्शित करता है। यह आपके जीवन के प्रति गंभीर रुख को इंगित करता है, और आंतरिक शांति व निश्चलता का परिचायक भी है। ऐसे गुण जो मध्य आयु से पूर्व प्रायः कम ही प्रकट होते हैं आप समाजवादी हैं, क्योंकि आप शानदार संचार कौशल और मजबूत रचनात्मक क्षमता के स्वामी होते हैं। लिखने, पढ़ने और अभिनय के क्षेत्र में आप काफी अच्छा काम कर सकते हैं। आप किसी भी काम के प्रति आशावादी रवैया रखते हैं और अपने रचनात्मक सोच का उस दिशा में पूरा प्रयोग भी करते हैं। आपकी निर्णय क्षमता अच्छी है, और आप कलात्मक, प्रतिभावान, कल्पनाशील तथा शब्दों से उच्च कोटि की अभिव्यक्ति रखते हैं। आप संगीत, कला, लेखन में निपुण तथा व्यवसाय में विलासिता वाले सामानों के विक्रेता हो सकते हैं, प्रणय सम्बन्ध तथा लोकप्रियता आपके विशेष गुण हैं।

### समृद्धि के अंक - 8. 1 व 6

आपके लोशु चार्ट में 8. 1 व 6 अंकों की उपस्थिति है। अतः आप व्यापार और वाणिज्य सम्बन्धी कार्यों में उत्तमता का प्रदर्शन करते हैं। आप जीवन के उच्चतर गुणों में प्रायः कोई रुचि नहीं रखते, केवल मात्र धन कमाने में ही रुचि रखते हैं। आप मिलनसार, खूब सोच-विचार कर कार्य करने वाले व संवेदनशील होते हैं, आप अच्छी मात्रा में भौतिक सफलता तो प्राप्त करते हैं, लेकिन ऐसा आप प्रायः दूसरों की संवेदनाओं व आवश्यकताओं की उपेक्षा करके करते हैं। आप किसी भी स्थिति में अपनी स्वतंत्रता से समझौता नहीं कर सकते हैं। आपके पास प्रगतिशील और हर स्थिति में जीत हासिल करने वाला दिमाग और रवैया है। आप बहुमुखी प्रतिभा के स्वामी हैं और किसी भी सवाल का जवाब बड़े ही धैर्य के साथ ढूंढने में यकीन रखते हैं। आप जानते हैं कि अपने आस-पास के लोगों को कैसे प्रेरित किया जाए। यह प्रतिभा एवं सम्पन्नता का सूचक है। आपको कानूनी तथा लोक कार्यों अथवा विक्रय कार्यों में अच्छी सफलता मिलती है, आपको दूसरों को समझने की शक्ति में कमी होती है। आपको अपनी कमजोरियों से उठकर तथा कठोरता का त्याग करके परिस्थिति के अनुकूल खुद को परिवर्तित करने की कला विकसित करना आवश्यक है।

## संकल्प-शक्ति के अंक - 1, 5 व 9

यह योग इच्छा शक्ति को दर्शाता है, आपके लोशु चार्ट में 1, 5 व 9 अंकों की उपस्थिति है। अतः आपमें अत्यधिक इच्छा शक्ति है। दुराग्रही, अध्यवसायी व इरादे के पक्के हैं, और बहसवाजी में अधिक निपुण हैं। जीवन में कैसे भी हालत रहें आप हार नहीं मानते, आप में हालातों से लड़ने की क्षमता होती है। जिस कारण जीवन में आप ऊंचाइयों को छूते हैं, विभिन्न विषयों पर आप ठोस विचार रखते हैं। यह अंक सफलता का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि जब तक आप निधिरित लक्ष्य तक नहीं पहुँच जाते, दृढ़ता से अपने कार्य में लगे रहते हैं। कभी कठिन समय आ जाये, और इनके पास कुछ भी न हो और अगर आप इनसे पूछें कि आप कैसे हो तो हमेशा यही जवाब देंगे कि बहुत बढ़िया, यह करोड़ों रूपये भी कमा लें तो इनके पाँव जमीन पर ही रहते हैं। ऐसे व्यक्तियों को मानसिक रूप से हराया नहीं जा सकता, इन्हें जीवन में अच्छी सफलता मिलती है। इनके चेहरे पर तेज होता है, इनकी अच्छी सूझ-बुझ होती है, और बात करने का ढंग भी बढ़िया होता है, दिमागी शक्ति भी अच्छी होती है।

## जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आप क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

## पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति ६

िनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

### काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

### धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्त्वकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

## अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमे निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

## अंक ज्योतिष उपाय विचार

### अनुकूल समय

सूर्य दिनांक 23 दिसंबर से 19 फरवरी तक, पाश्चात्य मत से सूर्य मकर एवं कुंभ राशि में रहता है तथा 14 जनवरी से 13 मार्च तक, भारतीय मत से, सूर्य मकर एवं कुंभ राशि में होता है जो शनि की अपनी राशियां है तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर तक सूर्य तुला राशि में रहता है, जो शनि की उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक आठ के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहेंगे।

### अनुकूल दिवस

किसी भी माह में पड़ने वाले शनिवार, रविवार एवं सोमवार आपके लिए अनुकूल दिवस हैं। आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, विशिष्ट अधिकारी से संबंध आदि अपनी शुभ तारीखों में पड़ने वाले उपर्युक्त दिवसों में ही प्रारंभ करेंगे तो आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

### शुभ तारीखें

आपके लिए कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार सम्बंधी कार्य, पत्र या दस्तावेज लिखने हेतु किसी भी अंग्रेजी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखें अधिक अनुकूल रहेंगी। अतः आप कोशिश करें कि कोई भी महत्वपूर्ण कार्य उपर्युक्त तारीखों में ही संपन्न हो।

### अशुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह के दिनांक 3, 6, 12, 15, 21, 24 एवं 30, आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे। इन तारीखों में आप कोई भी नया कार्य, व्यापार, पत्र लेखन एवं उच्च तथा विशिष्ट अधिकारी से मिलने का कार्य न करें।

### मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को अथवा 14 जनवरी से 13 मार्च तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच हुआ हो, ऐसे व्यक्ति आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगे। इनके सहयोग से आपको अच्छी उपलब्धियां प्राप्त होंगी।

### प्रेम संबंध एवं विवाह

आप अपने रोजगार, व्यवसाय या प्रेम, विवाह संबंध इत्यादि में ऐसी स्त्री का चुनाव करें, जिसका मूलांक 1, 4, 8 हो तथा उसका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीख को हुआ हो। ऐसी महिलाएं आपके रोजगार, व्यवसाय तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होंगी।

## अनुकूल रंग

आपके लिए गहरा भूरा, काला, गहरा नीला, ककरेजी रंग शुभ होंगे। अपने घर के दरवाजे, पर्दे, चादर आदि का चुनाव भी इन्हीं रंगों के अनुरूप करें। यदि आपका स्वास्थ्य ठीक न हो तब आप इन्हीं रंगों के कपड़े पहनें एवं रुमाल हर समय अपने पास रखें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य करते समय भी इन्हीं रंगों के वस्त्रों को धारण करना आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

## वास्तु एवं निवास

आप अपने लिए कॉम्प्लेक्स, फ्लैट या मकान का चुनाव पश्चिम दिशा में करें। आपका मूलांक 8 होने से आपके लिए पश्चिम दिशा उपयुक्त रहेगी तथा भवन क्रमांक का योग 8 हो तो अच्छा रहेगा। अतः आप इस दिशा में फ्लैट या मकान खरीद सकते हैं। आप चाहें तो शहर में पश्चिम दिशा, या भवन के पश्चिम क्षेत्र में निवास करें ऐसा करना आपके लिए लाभकारी रहेगा तथा अपने आवश्यक कार्य भी इसी दिशा की ओर बैठ कर संपन्न करेंगे तो लाभ होगा।

## शुभ वाहन नं

आपके मूलांक 8 के 1 और 4 मित्र हैं। अतः आप जब भी कोई नया वाहन इत्यादि खरीदते हैं तो उसके पंजीकरण का योग इन्हीं अंकों में से एक होना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। उदाहरणार्थ वाहन पंजीकरण क्रमांक  $5237 = 8$ । आप यदि वाहन में यात्रा करते हैं तब भी आपके लिए शुभ अंक 1,4,8 ही रहेंगे और यदि आप होटल में कमरा आदि बुक करवाते हैं तब उसके लिए आपका कमरा नंबर  $107 = 8$  का चयन करना ही उचित रहेगा।

## स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको वायु रोग, वात रोग, शारीरिक क्षीणता, अंध रोग, हृदय की कमजोरी, रक्त की कमी, मलबद्धता, कब्जियत, गठिया, रक्तचाप, सिर की पीड़ा, कुष्ठ रोग, मूत्र के रोग, गंजापन तथा कान-नाक में पीड़ा होगी। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शनि की पूजा एवं आराधना करनी चाहिए।

## व्यवसाय

कसरत, खेल-कूद, कूद-फांद, पुलिस और सैन्य विभाग, ठेकेदारी, टीन-चद्दर आदि का कार्य, कुलीगिरी, लघु उद्योग, वकालत, ज्योतिष कार्य, वैज्ञानिक कार्य, मुर्गी पालन, बागबानी, कोयला और लकड़ी का व्यवसाय, घड़ीसाज, न्याय वेत्ता, नेतृत्व, नीति निर्धारक, धर्म-कर्म, यज्ञादि कर्ता, अध्यापन, संगीतज्ञ आदि कार्य।

## व्रतोपवास

शनिवार को शनि अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तेल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

## अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए नीलम सबसे अधिक लाभकारी रहेगा। इसके न मिलने पर आप बैकॉक नीलम, लाजवर्त, काला नीली इत्यादि धारण कर सकते हैं। इसे आप शनि के दिन, शुक्ल पक्ष में, चौघड़िया मुहूर्त में, त्रिधातु या चांदी की अंगूठी में सवा तीन से सवा पांच रत्ती का नीलम बनवा कर दाहिने हाथ की मध्यमा उंगली की त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें। यह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।

## अनुकूल देवता

आप शनि ग्रह की उपासना करें अथवा आपको बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा। आप नित्य रुद्राक्ष की माला पर बटुक भैरव के मंत्र का एक सौ आठ बार जप किया करें। इससे आपकी सभी समस्याएं, रोग इत्यादि दूर होंगे। बटुक भैरव का मंत्र इस प्रकार है- 'ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरु-कुरु बटुकाय ह्रीं'। यह इक्कीस अक्षर का मंत्र सर्वसिद्धिदाता है। कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा।

## ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए शनि के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु शनि के गायत्री मंत्र का, प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

शनि गायत्री मंत्र - ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युरूपाय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोदयात् ॥

## ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप शनि का ध्यान करें, मन में शनि की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।  
छायामार्तंडसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

## ग्रह जप मंत्र

अशुभ शनि को अनुकूल बनाने हेतु शनि के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान दो सौ तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः दबर्चिन्प्रप नमः ॥ जप संख्या 23000 ॥

### वनस्पति धारण

आप शनिवार के दिन एक इंच लंबी विच्छु की जड़ ला कर, काले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या शीशे या लोहे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे शनि के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

### वनस्पति स्नान

आप प्रत्येक शनिवार को एक बाल्टी या बर्तन में सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ शनि के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

### दान पदार्थ

शनि की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को शनि के पदार्थ-तिल, उड़द, भैंस, लोहा, तेल, काला वस्त्र, नीलम, कुलथी, काली गौ, काले पुष्प, जूता, कस्तूरी, सुवर्ण आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

### यंत्र

शनि को अनुकूल बनाए रखने हेतु शनि यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चन्दन ) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।